



आरंभ का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 233]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 13, 1990/ज्येष्ठ 23, 1912

N. 233]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 13, 1990/JYAISTHA 23, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतल परिवहन संचालन

(पत्रन पथ)

नई दिल्ली, 13 जून, 1990

मानकांकित 571 कोटि रुपयोग महापलन स्थान अधिनियम
(1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ
विठ्ठल धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए, जवाहर लाल पत्तन व्यासी मंडल द्वारा बनाए गए और इस
प्रधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में जवाहर लाल नेहरू पोर्ट (पोत
चालकों को शनिवार देना एवं नियन्त्रण करना) विनियम 1990 का अनु-
मोदन करनी है।

2. उस्तु विनियम, इस प्रधिसूचना के सरकारी राज्यपत्र में प्रकाश
की तारीख को प्रवृत्त होगी।

[फा. सं. पी. प्रा. 12012/8/890 ई.]

एस. एन. कांकड़, संयुक्त सचिव

अनुसूची

भारत सरकार द्वारा अनुमोदित जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट, व्यासी
वोर्ड प्रमुख पोर्ट ट्रस्टों के अधिनियम 1963 (1963 का 38) का धारा
24 की उपधारा के साथ पठित धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए उपर्युक्त अधिनियम की धारा 124 की उपधारा (1) के प्रत्यार्गत
सिन्हलिखित विनियमन करता है।

1. संविलिप्त शीर्षक एवं प्रारम्भ :

(1) ये विनियम जवाहरलाल नेहरू पोर्ट (पोत चालकों को अनुकूल
देना एवं नियन्त्रण करना) विनियमन 1990 के नाम से जाला
जाएगा।

परिमाणाएँ—इन विनियमों में, जब तर कि संदर्भ के प्रत्यक्ष अपे-
क्षित न हो :—

(1) “बोर्ड” “बेयरमैन” “किट्टी बेयरमैन” का अभिप्राय वही
होगा जैसा कि प्रमुख पोर्ट ट्रस्टों के अधिनियम 1963 (1963
का 38) में दिया गया है।

(2) अनिवार्य जलपोत चलाने की जल सीमाओं का अभिप्राय भारतीय
पोर्टों के अधिनियम 1908 (1908 का 15) की धारा
4 की उपधारा (2) के प्रत्यार्गत परिसाधित सीमाओं से है।

(3) उप संरक्षक (हिन्दूटी कंजवेटर) का अधिकारी उस अधिकारी से है जिसमें जलपोत चलाने का नियंत्रण देखा एवं प्रबंध करना निश्चित है।

(4) बन्दरगाह मास्टर (हार्बर मास्टर) का अधिकारी ऐसे कार्यों के नियादन करने के लिए नियुक्त अधिकारी से है, जो कि उसको समय-समय पर उपसंरक्षक द्वारा सौंपे जाए।

(5) डाक मास्टर का अधिकारी किसी अधिकारी से है जिसकी नियंत्रण जलपोतों के संबंध में ऐसे कार्यों के नियादन करने के लिए की गई हो जो कि उसकी समय-समय पर उपसंरक्षक द्वारा सौंपे जाए।

(6) इस पोर्ट का अर्थ जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ने

(3) मार्गदर्शक जलपोत की स्टेशन में स्थित, विवरण एवं ध्येय विवरण का सिनल:—(1) कोई भी मार्गदर्शक जलपोत कलावा प्लाईट के साथ मलबार प्लाईट की लाइन पर रुकेगा।

मार्गदर्शक जलपोत अधोलिखित स्वय से रुकी, चिकित की आपसी:—

(1) अपरी हिस्ता सफेद रंग एवं बूट टॉपिंग लाल रंग, और कार्य रंग के टॉप के साथ दीने रंग का चांगा।

(2) पिछले भाग में तबा प्रस्तैक भाग वे भाग में जलपोत का नाम और जलपोतों के प्रत्येक भाग में जहाजों के मध्य "चालक (पायलट) लिंग होना चाहिए।

मार्गदर्शक गणी जलपोत अव स्टेशन में होता, तर:—

(क) दिन में जलपोत के मुख्य असामान में लाल एवं सफेद रंग का ध्वज, जो 7 मीटर लम्बा एवं 1.73 मीटर लूँड़ा होगा, एवं जो अस्त्री स्थिति में होगा, सगातार फहरता रहेगा, जिसकी ऊपरी धैतिजिक प्राधा भाग सफेद होगा और निचला धैतिजिक प्राधा भाग लाल होगा और/यथवा ऐसे अन्य प्रतीक (चिह्न) होंगे जो नियामनुसार या कानून के अनुसार उग्र समय प्रवालित नियम के अनुसार लाग किये जायेंगे।

(ब) रात्रि में उम समय प्रवालित नियम या कानून के अनुसार प्रकाश (बनी) प्रदर्शित होता रहेगा।

(4) जालकों पर हार्बरमास्टर एवं डॉकमास्टर का नियंत्रण

हार्बरमास्टर, डॉकमास्टर पर नियंत्रण रखेगा और वह जलपोतों के पोर्ट में प्रवेश करने के प्रथमा पोर्ट लौटे या जलपोतों को लंगर ड्रालने तथा लंगर निकालने के प्रथमा पोर्ट में किसी लंगर-स्थल (या सोने की जगह पर) परायन-स्थल पर सोने की जगह करने या न करने के समय पोर्ट चलाने के कार्यभार यो संभालने समय जालकों पर नियंत्रण रखेगा। और डॉकमास्टर जलपोतों जालकों पर नियंत्रण रखेगा और जलपोत जालक जलपोतों को बर्वे में लाने समय या बर्वे में जो समय उत पर नियंत्रण रखेगा।

(5) जलपोत चालक लाइसेंस धारक होना चाहिए।

गभी जलपोत चालक (एवं डॉकमास्टर) जवाहरलाल नेहरू पोर्ट हेतु एक चालक का काम करने के लिए लाइसेंस धारक होंगे। ये लाइसेंस केंद्र सरकार के सीझलीयों पर वेअरमैन के हंस्ताकर के सहत जागी किये जायेंगे और लूँड़े की सामान्य मुहर द्वारा महर लगायी जाएगी तथा नेअरमैन द्वारा करने योग्य होंगी।

(6) परीक्षा का विषय:

परीक्षा में निम्नलिखित विषयों का समावेश होगा, अवधि:—

(क) बन्दरगाह में जलपोत चलाने के लिए एवं समय-समय पर पोर्ट पर पहुँचने के लिए विनियमों एवं नियमों को बनाना

(क) किसी भी ज्ञानी के हीन्द बा का (गति) एवं सूरी, महारों का चढ़ाव एवं डार्च।

(ग) ध्वनियों की गहनता (गहराई) एवं स्वभाव।

(ग) पोर्ट की सीमाएं, लंगर और स्पलों, चट्टानों, उथले (छिले) एवं बहुए जिसारों सथा अन्न खानों, सीमा बिहारों, जोवन रथों, संकेत मगानों (शाकाश्चीप) एवं प्रकाशसंभ।

(इ) स्टीरों (वालपोतों) एवं जहाजों का प्रबल्द, उनको कैसे लंगर द्वारा जाए और महरोंके समय कैसे लंगरों को निकाला जाए।

(ज) जलपोतों को किनारे बांधना या किनारे न बांधना तथा उसको जल के भीतर ने जाना।

(झ) सभी प्रकार की स्थितियों में किसी जलपोत को संभालना और इसी तरह के अन्य विषय को परीक्षा समिति द्वारा निर्धारित किए जाएं।

(7) परीक्षा समिति

यह परीक्षा किसी एक परीक्षा समिति द्वारा चलायी जायगी:—

(1) उपसंरक्षक (हिन्दूटी कंजवेटर) (प्रेत्रमैन)

(2) आर्मरमास्टर।

(3) डॉकमास्टर।

(4) विदेश जाने वाले जलपोत का एक मास्टर।

(5) अनुर्दीण परिषारियों की परीक्षा

परिषीक्षा अवधि में यदि कोई चालक नियुक्त होने की तिथि से नी महीने के भीतर निर्धारित परीक्षा में प्रवक्ष्य होगा तो वह मन्त्रालय होने का पात्र होगा।

(6) चालकों का वर्गीकरण।

कोई भी चालक जिसको लाइसेंस प्रदान किया गया हो उसको जलपोत चलाने के लिए नियन्त्रित नहीं से अनुमति दी जायगी।

(क) प्रथम लीन महीनों के द्वितीय संपूर्ण रजिस्टर आठ लाई टनों में अधिक वजन वाले जलपोत चलाने की अनुमति नहीं होती।

(ख) अग्रे लीन महीनों के द्वितीय संपूर्ण रजिस्टर 10,000 टनों में अधिक वजन वाले जलपोत चलाने की अनुमति नहीं होती।

(ग) अग्रे लीन महीनों के द्वितीय संपूर्ण रजिस्टर 12,000 टनों में अधिक के जलपोत चलाने की अनुमति नहीं होती। (सामान लदे हुए टैकरों तथा युद्ध के तिपाहियों को छोड़कर परन्तु प्राग्रामी एवं प्रवालित विषयक में टैकरों के साथ)

(घ) अग्रे वार्ष महीनों के द्वितीय संपूर्ण रजिस्टर 15,000 टनों में अधिक वजन वाले जलपोत चलाने की अनुमति नहीं होती। (सामान लदे हुए टैकरों और सैनिकों के गाव परन्तु स्थिरक में टैकरों को छोड़कर)

(इ) अग्रे वार्ष महीनों के द्वितीय संपूर्ण रजिस्टर 18,000 टनों में अधिक वजन वाले जलपोत चलाने की अनुमति नहीं होती। 9,000 टनों में अधिक के ड्राफ्ट

(ज) अग्रे वार्ष महीनों के द्वितीय संपूर्ण रजिस्टर 25,000 टनों में अधिक जलपोत चलाने की अनुमति नहीं होती। 10,000 टनों में अधिक के ड्राफ्ट

(झ) तदनन्तर पूरे टनों वाले नर्म जलपोत अवर्तन, विना किसी अधिक वजन के सभी जलपोत चलाने की अनुमति दी जाएगी।

2. किसी चालक का स्थानान्तरण एक दर्जे से दूसरे ऊंचे दर्जे पर उप संरक्षक, जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टॉर्ट एवं उपसंरक्षक आप्ट्रो पोर्ट टॉर्ट के अनुमति दी जा सकता।

3. अर्थे का, या, ग, व या ड के पायलट जैसा कि उपनियम (1) के अन्तर्गत विनियमित किया गया है, 6 महीना या उससे अधिक अवधि की छूटी से वापस आने के बाद जैसा कि उपसंरक्षक द्वारा निर्धारित किया गया हो एक वर्ष से दूसरे वर्षों को और पायलट प्राइंड को या उसके विपरीत फेरे लगायेगा। और जैसा कि उपसंरक्षक द्वारा निर्धारित किया गया हो किसी स्टीमर के चालक संबंधी कार्यभार प्रहृष्ट करने से पहले किसी बरिष्ठ चालक के चालक संबंधी कार्यभार में किसी स्टीमर के विज्ञ पर केरे लगायेगा।

4. जैसा कि वर्ष समिति द्वारा सिफारिश की गई है और चालक संबंधी प्रक्रेश्यों (संशिप्त की मृत्यु प्रति) में दोनों पोटों द्वारा अनुसंधन किया गया हो।

(10) नियंत्रण स्टेशन पर डाकमास्टर द्वारा किये जाने वाले कार्य:

उपसंरक्षक द्वारा समय-समय पर दिए गए आदेशों के अनुसार डाकमास्टर ऐसो अवधि के लिए कच्चकानृतम से नियंत्रण स्टेशन पर वापस विष्यावन करेगा।

(11) छुट्टे नियमित परिस्थितियों में ऊंची टनों की वर वाले कार्य जलपोत वा कार्यभार प्रहृष्ट करने के लिए चालकों को निर्देश देने का अधिकार:—

यदि आवश्यक होता हो, डाकमास्टर किसी चालक को, जिस जलपोत को चलाने के लिए विनियम 9 के अन्तर्गत वह योग्यता प्राप्त किया हो, उससे भी अधिक टनों की अधिकता वाले जलपोत को चलाने के लिए निर्देश देने सकता है। ऐसे ग्रेडेक मार्गवे में, डाकमास्टर फैरिन वर्टेंस पर हत्ताका देते हुए उपर्याहर रथ में ऐसी कर्मचारी कारने की जहरत वर्षों हुई, उपसंरक्षक योग्यता को लिखते।

(12) गती (खोजी) सांकेतिक (लास्टो) दर्शकों वा प्रवेश नियंत्रण प्राप्ति को छोड़कर, उपसंरक्षक की अनुमति के लिए साइरेशन शुद्ध और्डर पर रहने वाले चालक के अलाका किसी अन्य छापिक को गती लम्ब पर प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

(13) कंट्रोल स्टेशन पर लॉगबुक रखना:

लॉगबुक डाकमास्टर द्वारा प्रतिदिन पर्यवेक्षित एवं प्रतिहस्तकरित की जाएगी और इसको अन्दरूनी स्टेशन में रखा जायेगा।

(अ) हक्का एवं लहरों की विज्ञा एवं गति।

(ब) अमर्सीटर एवं बोटर के मन्त्रनालिक एवं हिमांक की नम्रता।

(ग) चालक का वर्षों पर जाने का समय और जलपोत की आगमी का समय।

(घ) किसी बाहर जानेवाले जलपोत को चालक द्वारा छोड़ने का समय।

(इ) और गती सम्बन्ध पर उनके संचार होने का समय।

(ज) नौवहन के लिए सभी शिल्पों वा विवरण।

(ङ) उपसंरक्षक द्वारा अन्य दिए जानेवाले आदेशों का विवरण।

(14) लॉगबुक का निरीक्षण एवं के लिए उपसंरक्षक के पास अन्वेषित करना।

कंट्रोल स्टेशन पर सेनात डाकमास्टर लॉगबुक को उपसंरक्षक के पास लेसे समय पर निरीक्षण हेतु भेजेगा जो समय उसके द्वारा निर्धारित किया गया हो।

(15) कंट्रोल स्टेशन पर डाकमास्टर की छूटी।

कंट्रोल स्टेशन का आवश्यकता अवाहन लेहू पौटे हूट के कंट्रोल स्टेशन पर छूटी पर रहेगा और ऐसे कामों वा लिप्तदान करेगा जो उपसंरक्षक द्वारा स्पष्ट है से उल्लेख किया गया हो।

(16) कंट्रोल चालकों एवं परिवीकाशीन चालकों की डाकमास्टर द्वारा अनुदेश देना।

चालकों को दूरदी के सभी जायाजाम में डाकमास्टर चालकों एवं पारवा-शाधीन चालकों को अनुदेश देकर डाकमास्टर उनकी मदद करेगा।

(17) डाकमास्टर एवं चालक को पहचानने का छज्ज:

प्रत्येक डाकमास्टर एवं चालक को पहचान छज्ज दिया जायेगा जिसको जलपोत वर्ष फहरायें जायेगा, इसको इस स्थिति में रखा जायेगा जो कि दिनभज्जों के गावजूद भी दिखाई दे। दिनभज्ज स्टेशनों वा डाकों पर फहराया गया थी छज्ज, डाकमास्टर या चालक जहाज पर लकड़र हो, मूजना देने के लिए उपयोग किया जाएगा।

(18) प्रांगिकारी के आदेशों को चालकों द्वारा प्राप्त करना।

किसी चालक को बोई द्वारा, पैरवर्मेन द्वारा, डिप्यूटी पैरवर्मेन द्वारा और अधिकारी कन्वेंटर द्वारा और अधिकारी हार्बर मास्टर एवं डाकमास्टर द्वारा जहाज के कंट्रोल स्टेशन पर हो, उनके द्वारा जारी किया गया वर्षों द्विंश्यों विनियमों का पालन किया जाना नहीं है। एवं उनको सार्व किया जाना चाहिए। बर्थ आरने, अनुसंधन करने, जलपोत को रस्ती के सहारे कियाने वा लॉकने, तथा जलपोतों को परिवहन करने वा हटाने के संबंध में, जो उसके कार्यभार में हों, डाकमास्टर द्वारा दिए गए आदेशों का पालन उसको करना होगा।

(19) चालक का बर्ताव:

चालक को हर समय बठोर संबंध बर्ताव करना चाहिए। संपूर्ण समय वह जलपोत का प्रभारी होगा तथा उसकी सुरक्षा एवं साथ ही साथ अन्य जलपोतों एवं संपरियों की सुरक्षा वा उपचार रखेगा। यदि जलपोत चल रहा हो तो आवश्यकता पूर्ण पर उसका प्रयत्नशीलता वर्ष करने के लिए उपर्याहर चालक को आवश्यकता पूर्ण किया जाना चाहिए। जब चालक की डिप्यूटी पूरी हो जाये तब परिवहन करने स्थाय संग्रह जालने के कार्य का प्रमाण-पत्र चालक द्वारा डाकमास्टर के हस्ताक्षर हेतु प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

(20) चालकों को उसके द्वारा नियंत्रित की गई सेवाओं के लिए प्रमाण पत्र प्राप्त करना।

चालक, जलपोत की संचारी/धारा पूरी करने के बाद उसके छूटने तथा पूर्णने की नियोंट मास्टर को देगा और जरुरी विवरणों को वह अपने हस्ताक्षर के माथ उसमें दर्ज करेगा। मिहिल ग्राउन्ड में जलपोत के पूर्णने के पृष्ठे पृष्ठी चिप्टी की विधित भरकर चालक को अप्रिस करना चाहिए और संक्ष रक्ष के पारा पूर्णने के पृष्ठे छूटने की टिप्पीट की विधित भरकर चालक को आवश्यकता पूरी हो जाये तब परिवहन करने स्थाय संग्रह जालने के कार्य का प्रमाण-पत्र चालक द्वारा डाकमास्टर के हस्ताक्षर हेतु प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

(21) चालक का जलपोत का सचारी हेतु ठीक समय पर पृष्ठाना:

कोई जलपोत, जो बाहर जाने वाला हो, अपर्याहर संभालने वाले चालक को नियमित समय धार्यात् उसके समुद्र में जाने अवधि स्थान को जाने के लिए समय से पहले जलपोत में स्थार होकर स्थाय आकिस-इन्टकमान्ड को रिपोर्ट करना होगा।

(22) डिप्यूटी पर तैनात चालक को अपना लाइसेंस अपने साथ रखना।

प्रियी चालक जो जो डिप्यूटी पर होगा, उसको अपने साथ में हमेशा पैदों से किए अधिकारिक टाइट टेल, पीट नियमों की एक प्रति, बर्तमान लागू होने वाले चालक संबंधी नियमों और छुट वा लाइसेंस रखना होगा।

23) यदि चालक को भोजन एवं सोने की जगह की व्यवस्था न हो तो, वह हावर में जलपीत को लंगर डालने के बाद जलपीत छोड़ सकेगा :—

जलपीत का मास्टर जो चालक संबंधी कार्यभार संभालेगा उसके यदि भावशक हुआ तो चालक हेतु उचित भावना की व्यवस्था करनी होगी। और इसके साथ ही सथ 7 बजे से 9 बजे के बीच नापांडा और दोपहर का भोजन दोपहर से 2 बजे के बीच, सथा शाम का भोजन 6 बजे से 8 बजे के बीच, यदि उपर्युक्त समय में लंगर डाले हुए जलपीत हावर में बहा हो तो उसकी सुधाह, दोपहर, एवं शाम के नापांडे एवं भोजन की व्यवस्था करनी होगी। जलपीत के मास्टर की ओर से उपर्युक्त व्यवस्थाएं न किए पर चालक ऐसा करने के बाबने वज्र की लिखित रूप में, कम से कम एक घंटे पहले, भारतिस्ट-स्टैन-कमान्ड को नोटिस देकर, जलपीत छोड़कर, फिनारे ग्रा सकेगा। और जितनों जलदा ही सके मापदण्ड को लिखित रूप में उपसंरक्षक के पास रिपोर्ट करेगा।

24) चालकों को बेबता चाहिए कि सभी लंगर मक्त होने के लिए तैयार है :—

किसी चालक को किसी बाहर जाने वाले से जलपीत का कार्यभार संभालने के पहले जलपीत के मास्टर से जानकारी करना होगा कि व्या स्टिलरिंग गिरफ्त जुड़ा हुई है एवं कार्य करने का अलड़ा स्थिति में है और बातों लंगरों को मुक्त करने के लिए तैयार होने का सकेत देता है।

25) चालकों द्वारा साथ देना।

चालक किसी मुकदमों या जाव में जिसमें वह कोई पक्ष न हो सथा जब तक उसे सम्मत न मिला हो, उपसंरक्षक (डिप्टो कंजर्वेटर) की पूर्ण प्रभाविति के बिना साथ देने के लिये उपस्थित नहीं होगा। यदि किसी सालट को साथ देने के लिये सम्मत मिला हो तो उसको रिपोर्ट ही उपसंरक्षक को दे देना चाहिए।

26) चालक नौपरिवहन संबंधी वित्तों के किसी अदलाव की सूचना देना :—

किसी चालक को, जिसने जैनों में (परिवर्तन) बदलाव का निरीक्षण किया हो, व्यवसा किसी जावनस्त का पता लाया हो, दापत्तांमें अथवा हृषके (कम जननस्त) जल बोतों को धूर ले जाया गया हो, तोह यित्य गया है, किंतु पहुंचाई गई हो, व्यवसा विषया बदल वा गई हो अपेक्षा नौ-परिवहन की सुरक्षा को, संवरप, प्रवासित करने के लिए किसी व्यवस्था प्रकार को परिस्थिति से प्रवर्गत हो तो उपर्युक्त के बारे में उपसंरक्षक के पास फौरन विस्तृत रिपोर्ट भेजना चाहिए।

27) चालक को दुर्घटना (अपवात) की रिपोर्ट देना चाहिए :—

जब किसी जलपीत द्वारा किसी प्रकार की दुर्घटना (अपवात) हुई हो व्यवसा चालक के जलपीत के बारण हुई हो, चालक को चाहिए कि वह इस उद्देश्य हेतु जलपीत कार्य (प्राइवेट) में लिखित रूप में तर्फा का रिपोर्ट, जितना ज्ञाव संभव हो, उपसंरक्षक के पास भेजे।

28) हावर मास्टर द्वारा जलपीत पर चालकों को उत्सविति नियमित करना :—

चालकमास्टर के निरीक्षण के प्रस्तावित, इयटी पर तैनात चालकों का जहजों को चालने के लिए उनको जलपीत सेवाओं से संबंधित, विस्तृत विवरण देना होगा। एक सूचा, जितने चालकों के अलांगता वर्जों का संबंध, दर्शाते हुए, जो कि उनको देता जहजों के लिए दिया जाने वाले हों तैयार की जानी चाहिए और उपसंरक्षक या हावर मास्टर के कार्यालय में रखी जानी चाहिए। उपसंरक्षक के कार्यालय में तैयार करके रखी हुई सूची के अनुसार व्यक्तिगत गतियों हेतु चालकों का विवरण या फेर-बदल के जरिये किसी तरह भा अवश्यक समावैज्ञान, व्यवसा चालकों के विवरण के रहो-करण को स्वीकृति प्रदान करना चाहिए, जो कम्प्लेक्स स्टेशन है, पर किया जायेगा।

29) चालकों के बहिर्गमी कामों (ड्रेपटीज) का आरंभ :—

बाहर जाने वाले जलपीत के संबंध में किसी चालक का काम तथा आरम्भ होगा :—

(1) जलपीत में स्कार होने के बाद हावर में,

30) चालक के बहिर्गमी कार्यों का समाप्ति :—

(1) बाहर जाने वाले जलपीतों के संबंध में किसी चालक को कार्यालय का सब समाप्त हो जायेगा जब प्राइवेट ग्राउंड को जलपीत छला दिया जायेगा।

(2) किसी चालक को कोसाबा छोर (जाइंट) से जलपीत छलने के पहले यंत्र में पाल रहने के लिए (बेवरिंग) रुया अनुमति अन्तर (दूरी) की बातों कर लेनी चाहिए, तथा उसके डिपार्चर रिपोर्ट में दर्ज भार लेनी चाहिए।

(30) चालक के द्वायक कार्यों का आरम्भ :—

इवर की ओर भागे जाने वाले जलपीतों के संबंध में किसी चालक के कार्य सब आरम्भ होने जून अनियार्थ रूप से चलाए जाने संबंधी पानी (पायलटेजवाटर) के सोमां के भीतर जलपीत पर स्थान

(32) जलपीत पर सवार होने के बाव चालक को इधा दून के रोगों अदि के होने की खात्री करना;—किसी चालक को किसी आवेदन वाले जलपीतों पर सवार होने के बाव नियन्त्रित बातों की खात्री करना चाहिए कि :—

(1) क्या यात्रा के दौरान जहाज पर किसी तर का इधा दून के रोग था अदि था, अथवा है, जो कि अंगीर प्रकृति का है, तो (अवैराइट्ट) रुल संग्रोध नियम में की गई व्यवस्था के अनुसार उसको संग्रोध लंगर स्थल में जलपीत का लंगर जाल देना चाहिए। और सर्व भेद सिन्नल का घज फहराना चाहिए और इस संबंध में रिपोर्ट संग्रोध नियम में दिए गए अनुदेशों का पालन करना चाहिए।

(2) कोलाबा छोर (प्लाईट) से समय, यंत्र में छूल रहने के लिए (बेवरिंग) एवं अनुमति दूरी (अन्तर) नोट करना चाहिए, जलपीत के वर्तमान ड्राफ्ट एवं डीपलोड ड्राफ्ट की खात्री करनी चाहिए, और देखना चाहिए कि दोनों लोगर स्टैट्स्पैस से मुक्त हैं। और यह भी देखना चाहिए कि रास्ट्रीय-घज फहराया गया है, तथा जहाज का नाम लिया हुए घज तथा अन्य सिन्नलों को, जो समय-नसमय पर पोर्ट नियमों द्वारा आवश्यक है, फहराए गए हैं, लगाए गए हैं। यह भी देखना चाहिए कि उडिर्डुर्ट घज एवं सिन्नल इस तरह से लगाए गए हैं जो कि पोर्ट सिन्नल स्टेशन से साफ साफ विकार्ष देते हैं।

33) जलपीतों का घूमना घुमाया जाना :—

जब तक नियन्त्रित शर्ते पूरी न हो जाएं, जोई भी चालक किसी घूमनेवाले या घूमनेवाले जलपीत को पोर्ट के भीतर एक विशा से अल्प (दूसरी) विशा की ओर न तो घुमा (मोड़) सकेगा या न तो विशा नियंत्रण ही वे सकेगा।

(1) यदि जलपीत घानु स्थिति में होगा तो मास्टर को इस पर रहना होगा।

(2) यदि मास्टर जलपीत के चलने की गति के पूर्ण होने के पहली ही जलपीत छोड़ देता है तब जलपीत चालक, जितनी अधिक भासानी से जलपीत सुरक्षित स्थिति में पहुंचा सके, लंगर डालने के लिए विशा नियंत्रण देगा। और तब तक इसके प्रस्ताव के लिए विशा नियंत्रण नहीं देगा जब तक मास्टर बाप्स नहीं आ जाएगा।

(3) जलपोत चलते समय तक बहुत से अधिकारी एवं नाविक जलपोत पर रहे थे और ड्यूटी पर व्याप्त होने और जलपोत पर किसी भी कार्य को करते के लिए पर्याप्त होते हैं। जलपोत पर सभार होने पर चालक यदि विचार करता है कि उपर्युक्त अधिकारियों एवं नाविकों द्वारा भरपूर नहीं हैं तो वह पोर्ट के नियम की ओर जलपोत पर उपर्युक्त भास्टर का ध्यान आकर्षित करेगा और जब तक कि भास्टर स्थान पर संपूर्ण जगावानी लेकर घोषणापत्र पर स्वतः हस्ताक्षर नहीं करेगा तब ताकि भास्टर स्थान पर संकार कर सकता है।

व्याख्या :—इस विनियम में भास्टर का साथ्य बाद वाले अधिकारी द्वारा अपने कार्यालय के कार्यों के नियावत में अधम होने पर भास्टर की ऐसियत से कार्य करते के लिए विधिवत् प्राधिकृत प्रशम या अन्य अधिकारी से है।

(34) चालक को जलपोत पहुंचने की रिपोर्ट देना :—

जलपोत के गलत्य स्थान पर पहुंचने के बाद, जलपोत को भीतरी प्रोर चालाने के पश्चात, अध्यक्ष उसको धारा में चालकर ने जाने के बाद अपवा चालक संबंधित धरातल से बापसी के बाद, चालक अगला ड्यूटी है इस उद्देश्य हेतु रक्षा गार्ड रिस्टर में अपना नाम दर्ज करते हुए अधिकारी उपसंरक्षक कार्यालय या कल्टोल स्टेशन की रिपोर्ट देगा।

(35) किसी चालक का लाइसेंस खो जाने पर वह फौरन उपसंरक्षक के पास, जिन परिस्थितियों में लाइसेंस खो गया हो उसका विवरण देते हुए इसको सूचना देगा और संरक्षक जब तक सन्तुष्ट नहीं होता कि लाइसेंस चालक के दरवाजे से खो गया है, चालक को लाइसेंस का प्रतिलिपि (दूसरी प्रति) जारी करते की व्यवस्था करेगा।

(36) चालकों द्वारा चाटों को जांच करना :—

सभी चालक उपसंरक्षक हार्बर मास्टर के कार्यालय पर निरन्तर उपसंरक्षक होने रहे हैं और पोर्ट या पोर्ट संबंधी अन्य सूचना बाद के घाटों पर प्राप्त होने में भी गई जानकारी का प्राप्त लगायेंगे।

(37) डाक भास्टर और चालक चैयरमैन द्वारा निर्धारित वर्षी, जब थे ड्यूटी पर होंगे, पहले होंगे।

(38) व्याख्या :—यदि इन विनियमों की व्यवस्था में किसी प्रकार की समस्या आती है तो उसे चैयरमैन के पास भेज देना काफ़िर जिसका कि निर्णय अनन्तिम निर्णय होगा।

(39) निरसन एवं संचयन (बचत) :—

इस विनियमों के सन्दर्भ में किसिपन्मुख द्वारा निरसन (रह) किए जाते हैं।

(क) बधाते कि ऐसे रह किए गए विनियमों के अन्तर्गत दिया गया कोई आदेश अपवा की गई कोई कारंबाई इन विनियमों के तदनुसर प्रावधानों के अन्तर्गत दिया गया आदेश अपवा की गई कारंबाई माना जायेगा। लाइसेंसिंग एण्ड कल्टोल आफ पायलट्स, रेग्लेशन्सन 1975 के अन्तर्गत दी पी टी द्वारा बनाए गए विनियमों को इन विनियमों में कुछ भी असंगत नहीं माना जायेगा अपवा बोर्ड पोर्ट द्वारा बनाए गए कोई दूसरे नियम, जो कि तब सागू होंगे, जब जलपोतों को जवाहरलाल नेहरू पोर्ट के चालक संचालन कार्यालय के अधीन कब्बर्वाई के संबंधामात्र उपयोगी जलपार्मार्ग में आना जाना कर रह हैं।

(ख) जहां तक जवाहरलाल नेहरू पोर्ट पायलटेज लाइसेंस की मंजूरी का संबंध है, बास्टर पोर्ट के पूर्ण टन भार वाले चालक इन विनियमों के प्रावधानों से छूट पाने की मंजूरी के (पात्र) इक्वार होने वर्षते कि दी गई छूट की मंजूरी जवाहरलाल नेहरू पोर्ट के डिप्युटी कंजर्वेटर द्वारा लिखित रूप में दी गई हो तथा जो स्वतः सन्तुष्ट हो कि जवाहरलाल नेहरू पोर्ट की जलपार्मार्ग की उपरेकाओं नीसंचालक संबंधी साधनों की व्यवस्था नी संचालन संबंधी अमल में लाग गए नियमों से प्रार्थी अवगत है।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

New Delhi, the 13th June, 1990

NOTIFICATION

G.S.R. 571(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 124, read with Sub-section (1) of Section 24, read with Section 28, Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Jawaharlal Nehru Port (Licensing and Control of Pilots) Regulations, 1990 made by the Board of Trustees for the Port of Jawaharlal Nehru and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

J.F. No. PR-12012[8]89-PE.1]

S. N. KAKAR, Jt. Secy.

SCHEDULE

In exercise of the powers conferred by proviso to Sub Section (1) of Section 24, read with Section 28, of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Board of Trustees of the Jawaharlal Nehru Port, with the approval of the Central Government, under Sub-section (1) of Section 124 of the said Act, hereby makes the following Regulations :

(1) Short title and commencement.—(1) These Regulations may be called the Jawaharlal Nehru Port (Licensing & Control of Pilots) Regulations, 1990.

(2) Definitions : In these Regulations, unless the context otherwise requires.—(1) "Board", "Chairman" and "Deputy Chairman" shall have the same meaning as in the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963).

(2) 'Limits of compulsory pilotage waters' means the limits defined under Sub-section (2) of Section 4 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908).

(3) 'Deputy Conservator' means the officer in whom the direction and management of Pilotage are vested.

(4) 'Harbour Master' means the officer appointed to perform such duties as may from time to time be assigned to him by the Deputy Conservator.

(5) 'Dock Master' means an officer appointed to perform such duties in connection with movements of ships as may, from time to time, be assigned to him by the Deputy Conservator.

(6) 'Port' means the Jawaharlal Nehru Port.

(3) Postion in station, description and flags of identification of Pilot Vessel.—(1) A Pilot vessel will be stationed on a line with Malabar Point in transit with Colaba Point.

The Pilot vessel shall be painted as follows.—(1) White top sides and red boat topping and funnel buff with a black top :

(ii) Her name on the stern and on each bow and the word 'PILOT' amidships on each side of the vessel.

The Pilot Vessel, which on station, shall :—

- (a) during day time, keep continuously flying at the main masthead a red and white flag in good condition measuring not less than 2 mtrs. by 1.25 mtrs. wide, the upper horizontal half of which shall be white and the lower horizontal half red and/or such other signals in accordance with the rules or law for the time being in force;
- (b) during night, exhibit lights in accordance with the rules or law for the time being in force.

(4) Harbour Master's & Dock Master's control over Pilots.—The harbour Master shall have control over Dock Master and Pilots in pilotage charge of vessels while entering and leaving the Port or mooring or unmooring or berthing or unberthing at any anchorage or berth in the Port and a Dock Master shall have control over Pilots and Pilots in Pilotage charge of vessels while entering or leaving the berth.

(5) Pilots to be licensed.—All Pilots and Dock Masters shall hold licences to perform the duties of a Pilot for the Port of Jawaharlal Nehru. These licences subject to the sanction of the Central Government, shall be issued under the signature of Chairman and sealed with the common seal of the Board and be revocable by the Chairman.

(6) Subject of Examination.—The examination shall include the following subjects, namely :

- (a) regulations and rules framed for navigating in the harbour and approaches to the berths from time to time.
- (b) course and distances between any two places rise and set of tides.
- (c) depth and character of soundings.
- (d) anchorages, rocks, shoals and other dangers, landmarks, buoys, beacons and lights within the port.
- (e) management of ships and steamers, how to bring them to anchor and to keep clear of their anchors in a tideway.
- (f) to moor and unmoor and to get underway.
- (g) to handle a vessel under all conditions and such other subjects as may be determined by the examination committee.

(7) Examination Committee.—The examination shall be conducted by an examination committee :

- (1) the Deputy Conservator (Chairman)
- (2) the Harbour Master
- (3) a Dock Master
- (4) a Master of foreign-going ship.

(8) Failure to pass examination.—In the event of a probationary pilot failing to pass the specified examination within nine months of his appointment, he will be liable to be discharged.

(8) Classification of Pilots.—(1) A Pilot on being licensed will be permitted to pilot vessels as follows :

- (a) during the first three months, vessels not exceeding 8000 tonnes gross register.
- (b) during the next three months, vessels not exceeding 10000 tonnes gross register.
- (c) during the next three months, vessels not exceeding 12000 tonnes gross register (excluding loaded tankers and men-of-war but including tankers in ballast to and from stream and the berth).
- (d) during the next six months, vessels not exceeding 15000 tonnes gross register (excluding loaded tankers and men-of-war, but including tankers in ballast).
- (e) during the next 12 months, vessels not exceeding 18000 tonnes gross register, draft not exceeding 9.0 M.
- (f) during the next 12 months, vessels not exceeding 18000 tonnes gross register, draft not exceeding 9.0 M.
- (g) thereafter, full tonnage, i.e. all vessels without restriction.

(2) The transfer of a pilot from one class to the next higher class will not be made without the approval of the Deputy Conservator, JNPT & BPT.

(3) On returning from leave for six months or over, a Pilot included in class (a), (b), (c), (d) or (e) specified in sub-regulation (1) shall, if so decided by the Deputy Conservator, make such number of trips between the berths and the pilot ground and vice versa as may be determined by the Deputy Conservator on the bridge of a steamer in pilotage charge of a senior pilot before taking pilotage charge of a steamer.

(4) As recommended by Barve Committee and ratified by the two ports in the Pilotage Protocol.

(10) Dock Master to do duties at the control station.—The Dock Master shall perform the duties at the control station in rotation for such periods as may from time to time be ordered by the Deputy Conservator.

(11) Power to direct pilots to take charge of a vessel higher tonnage in certain circumstances.—The Dock Master may, if necessary, direct a pilot to pilot a vessel exceeding in tonnage the vessels which he is qualified under regulations 9 to Pilot. In every such case, the Dock Master shall forthwith send a report in writing to the Deputy Conservator stating the reasons which in his opinion necessitated such action.

(12) Visitors not be allowed on Pilot Launches.—Except in cases of emergency, the Pilot Launch shall not receive any person other than a licensed Pilot on board without the permission of the Deputy Conservator.

(13) Log Book to be kept at Control Station.—A Log Book supervised and countersigned daily by the Dock Master shall be kept in the Control Station.

- (a) direction and force of wind and currents.
- (b) readings of Barometer and Thermometer.
- (c) time the pilot was placed on board an incoming vessel.
- (d) time when the pilot leaves an outbound vessel and boards the Pilot Launch.
- (e) all signals to shipping.
- (f) such other particulars as may be ordered by the Deputy Conservator.

(14) Log Book to be forwarded to the Deputy Conservator for Inspection.—The Dock Master on the Control station shall forward the Log Book to the Deputy Conservator for inspection at such intervals as may be prescribed by him.

(15) Duties of Dock Master on Control Station.—The Dock Master on Control Station shall be on duty at the control station at Jawaharlal Nehru Port at such times and shall perform such duties as may be specified by the Deputy Conservator.

(16) Dock Master to give instructions to junior pilots and probationary pilots.—The Dock Master shall assist in instructing the junior pilots and probationary pilots in all branches of a Pilot's duty.

(17) Dock Master & Pilot's distinguishing flag.—Each Dock Master & Pilot shall be provided with a distinguishing flag which is to be hoisted on the vessels while in his charge in such a position where it can be seen and apart from other signals. The same flag hoisted at any of the signal stations or at the docks will be used in communicating with the vessel when the Dock Master/Pilot is on board.

(18) Pilots to obey the orders of the authority.—A pilot shall obey and execute all orders and regulations given or issued by the Board, the Chairman, the Deputy Chairman, the Deputy Conservator and/or the Harbour Master and the Dock Master while at the Control Station. He shall also obey all orders given by the Dock Master relating to the berthing, unberthing, towing, transporting or removing of vessels under his charge.

(19) Pilot's behaviour.—A Pilot shall, at all times, exercise a strict sobriety. He shall throughout the time he is in charge of a vessel use his utmost care and diligence for her safety and the safety of other vessels and property. He shall when necessary keep the lead going when the vessel is underway. He shall not lay by the vessel a ground without a written order from the owner or officer in command.

(20) Pilots to obtain certificate of services performed by them.—A Pilot shall, on boarding the vessel, hand the Arrival/Departure Report to the Master who shall enter therein all the required particulars over his signature. The Arrival Report shall be duly filled in and returned to the pilot before the vessel reaches Middle Ground and Departure Report before reaching the Sunk Rock. Transporting and Anchoring certificates shall be filled in by the Pilot and presented to the Master for signature when the duties of the Pilot are completed.

(21) Pilot to go on board vessels in good time.—A Pilot about to take charge of a vessel which is outward bound, or which is about to be moved from berth in which she is lying shall go on board and report himself to the officer in command at the time appointed, i.e. in sufficient time for her to be moved out to sea or to her destination.

(22) Pilot when on duty to carry with him his licence, etc.—A Pilot when on duty shall always have with him an official Tide Table for the port, a copy of the Port Rules, Pilotage Regulations for the time being in force and his Licence.

(23) Pilot may leave vessels at anchor in the harbour if not provided with proper food and sleeping accommodation.—The Master of a vessel in pilotage charge of a pilot shall provide the pilot with reasonable accommodation, if necessary, and with breakfast between 7 a.m. to 9 a.m. with lunch between noon and 2 p.m. and with dinner between 6 p.m. and 8 p.m. if the vessel is at anchor in the harbour during these hours. In the event of failure on the part of the Master of the Vessel, the Pilot may leave the vessel and come on shore after giving the officer-in-command atleast one hour's notice in writing of his intention to do so and shall report the case in writing to the Deputy Conservator as soon as practicable.

(24) Pilots to see that anchors are ready to let go.—A pilot before taking charge of a vessel outward bound shall enquire of the Master of the Vessel whether the steering gear is connected and in proper working order and direct that both the anchors be ready for letting go.

(25) Pilots giving evidence.—A Pilot shall not attend to give evidence on any trial or enquiry to which he is not a party, unless he is under subpoena without the prior permission of the Deputy Conservator and a Pilot under subpoena to give evidence shall at once report the fact in writing to the Deputy Conservator.

(26) Pilots to give information of any alterations in navigational marks etc.—A Pilot who has observed any alteration in the depth of the channels, or noticed that any buoys, beacons or light vessels have been driven away, broken down, damaged or shifted from position or become aware of any circumstances likely to affect the safety of navigation shall forthwith send a detailed report thereof in writing to the Deputy Conservator.

(27) Pilots to report casualties.—A Pilot, whenever any accident has happened to or been caused by a vessel while in his charge shall as soon as possible report the facts in writing in the form prescribed for the purpose to the Deputy Conservator.

(28) Harbour Master to regulate attendance of pilots on vessels.—Pilots on duty shall be detailed under the supervision of the Dock Master to vessels requiring their services. A list showing the rotation in which pilots having regard to their respective classes, are to be allotted to such vessels shall be drawn up and kept in the office of the Deputy Conservator or Harbour Master. The allocation of pilots for individual movements in accordance with the list drawn up in the Deputy Conservator's office and any adjustments necessitated by changes or cancellations of allocations of pilots shall be attended to by the control station at Jawaharlal Nehru Port.

(29) Commencement of Pilot's outward duties.—The duties of a pilot in regard to outward bound vessels shall commence in the harbour on boarding the vessel.

(30) Termination of Pilot's outward duties.—(1) The duties of a pilot with regard to outward bound vessels shall cease when he has piloted the vessel to pilotage ground.

(2) A Pilot shall ascertain the bearing and estimated distance from Colaba Point before leaving the vessel and enter them in the Departure Report.

(31) Commencement of Pilot's inward duties.—The duties of a pilot in regard to an inward bound vessel shall commence when he boards the vessel in any position within the limits of compulsory pilotage waters.

(32) Pilots to ascertain presence of infectious disease on board etc.—A Pilot on boarding an inward bound vessel shall :—

(i) ascertain whether there is, or has been, during the voyage any infectious disease on board. If there is, or has been, and the disease is of a serious nature as laid down in the Quarantine Rules he will anchor the vessel in the quarantine anchorage and hoist the Quarantine Signal and carry out the instructions contained in the Port Quarantine Rules in this respect; and

(ii) note the time, the bearing and estimated distance from Colaba Point, ascertain the vessel's present draft and deep load draft and see that both anchors are clear to be let go; see that the National Ensign is hoisted and the flags denoting the name of the vessel and any other signals, as required by the Port Rules from time to time, are hoisted in such a manner as to be clearly seen from the Port Signal Station.

(33) Moving of Vessels.—No pilot shall move or direct the moving of any vessel within the port from one position to another, unless the following conditions are fulfilled :

- (i) if the vessel is underway, the Master shall be on board;
- (ii) if the Master leaves the vessel before the movement is completed, the Pilot shall direct the vessel to be anchored in such safe position as may be most easily reached by the vessel and shall not give direction to proceed with the moving until the return of the Master to the Vessel;
- (iii) throughout the moving, the number of officers and crew on board and available for duty shall be sufficient to perform any duty which may be required and if the pilot on boarding considers that the number is not sufficient, he shall call the Master's attention to the Port Rules and refuse to proceed with the moving unless the Master first signs a declaration under his own handwriting expressly assuming entire responsibility.

Explanation.—In this regulation, the expression "Master" shall include the first or other officers duly authorised to act for the Master in the event of the latter being incapacitated from performing the duties of his office.

(34) Pilots to report on landing.—On landing, after piloting a vessel inward and/or transporting a vessel in the stream or recurring from the pilotage ground, a Pilot shall report without delay to the Deputy Conservator's office or the Control Station by entering his name on the roster kept for this purpose for further duty.

(35) Loss of Licence.—A Pilot losing his licence shall, forthwith give notice thereof to the Deputy Conservator, stating the circumstance in which the licence was lost and the Deputy Conservator shall, unless he is satisfied that the loss has been caused by the Pilot's misconduct, arrange for the issue of a duplicate licence to the Pilot.

(36) Pilot's examination of Charts.—All pilots will attend frequently at the office of the Deputy Conservator or Harbour Master to examine the latest plans and charts of the Port and other information concerning the Port.

(37) Dock Master and Pilot's Uniform.—Dock such uniform as may be prescribed by the Chairman. Master and Pilots shall wear on duty such uniform as may be prescribed by the Chairman.

(38) Interpretation.—If any question arises relating to the interpretation of these Regulations, it shall be referred to the Chairman, whose decision thereon shall be final.

(39) Repeal and savings.—All Regulations corresponding to these Regulations are hereby repealed :

(a) Provided that any order made or any action taken under the Regulations so repealed shall be deemed to have been made or taken under the corresponding provisions of these Regulations. Nothing in these Regulations shall be deemed to be repugnant to the Regulations framed by BPT under Licensing & Control of Pilots Regulations, 1975 or any other Rules framed by the Bombay

Port which are applicable when ships under the Pilotage charge of Jawaharlal Nehru Port Pilots are transiting the common user channel of Bombay.

(b) Full tonnage pilots of Bombay Port shall be eligible for grant of exemption from the provision of these Regulations as relate to the grant of Jawaharlal Nehru Port Pilotage License, provided an exemption in writing is granted by the Deputy Conservator, Jawaharlal Nehru Port, who shall satisfy himself that the applicant is familiar with the Jawaharlal Nehru Port's channel contours, navigational aids disposition and the navigational rules in force in Jawaharlal Nehru Port.

